बिहार विधान परिषद्

188वां सत्र

तारांकित प्रश्न
वर्ग – 5

18 फाल्गुन, 1939 (श.)
शुक्रवार, तिथि ----------
09 मार्च, 2018 ई.

प्रश्नों की कुल संख्या – 24

1.	शिक्षा विभाग	....	....	21
2.	कला, संस्कृति एवं युवा विभाग	....	....	03

			कुल योग –	**24**

महिला कॉलेजों में बढ़ोतरी

***** 146. **प्रो. नवल किशोर यादव** : क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि देशभर के यूनिवर्सिटीज और कॉलेजों की संख्या में इजाफा हुआ है, लेकिन इसके बावजूद प्रति लाख छात्रों के मामले में बड़े राज्य बिहार कहीं पीछे पड़ गये हैं और जहां प्रति लाख छात्रों पर कॉलेजों की संख्या बहुत कम है, जिससे छात्रों के नामांकन में कठिनाई हो रही है;

(ख) क्या यह सही है कि राज्य कॉलेजों की संख्या राष्ट्रीय स्तर पर बहुत कम है, वहीं सिर्फ लड़कियों के लिए संचालित होने वाले कॉलेजों का अनुपात भी कम हुआ है, जिससे विवशतावश लड़कियों का सामान्य कॉलेजों में दाखिला लेना पड़ता है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार लड़कियों की सुगमता के लिए विश्वविद्यालय स्तर से महिला कॉलेजों एवं विश्वविद्यालय की संख्या में बढ़ोतरी करने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

वेतन का भुगतान

***** 147. **श्री संजीव कुमार सिंह** : क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि राज्य के प्राथमिक से लेकर उच्च माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों तथा अल्पसंख्यक मदरसा-संस्कृत शिक्षकों के साथ-साथ विश्वविद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों एवं शिक्षकेत्तर कर्मियों का वेतन विभागीय लापरवाही एवं संवेदनहीनता के कारण छः-छः महीने तक बकाया रह जाता है जिससे उन्हें एवं उनके आश्रितों को भारी आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है;

(ख) यदि उपर्युक्त खंड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार ससमय वेतन भुगतान की व्यवस्था कैसे और कबतक करना चाहती है, साथ ही ससमय वेतन भुगतान नहीं होने की स्थिति में क्या सूद समेत वेतन भुगतान का विचार रखती है, यदि हां तो कबक ?

जल-जमाव से निजात

***** 148. **श्री सतीश कुमार** : क्या मंत्री, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पूर्वी चम्पारण जिला के जिला स्कूल, मोतिहारी में छात्रों के लिए तथा वार्षिक खेल समारोह हेतु स्कूल कैम्पस में वर्ष, 2009 में स्टेडियम बना, जो संवेदकों द्वारा प्राकल्लन के अनुसार नहीं बनाया गया है तथा स्टेडियम में गड्ढा जल-जमाव एवं जंगल के कारण जिले के स्कूली बच्चों का वार्षिक खेल समारोह सम्पन्न नहीं किया जाता है;

(ख) यदि उपर्युक्त खंड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो सरकार उचित कार्रवाई करना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

कॉलेजों में बॉटेनिकल गार्डेन

***** 149. **श्री रामचन्द्र भारती** : क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि यू.जी.सी. गाइड लाइन के तहत कॉलेजों में वनस्पति शास्त्र की पढ़ाई हेतु कॉलेज में बॉटेनिकल गार्डेन का होना आवश्यक है;

(ख) क्या यह सही है कि मगध विश्वविद्यालय के अंतर्गत पटना स्थित ज्यादातर कॉलेजों में बॉटेनिकल गार्डेन की व्यवस्था नहीं होने के कारण वनस्पति शास्त्र के छात्र-छात्राओं को अपनी पढ़ाई में असुविधा का सामना करना पड़ता है;

(ग) क्या यह सही है कि बॉटेनिकल गार्डेन के अभाव में इन कॉलेज के छात्रा-छात्राओं को कॉलेज से बाहर अन्य स्थानों जैसे संजय गांधी जैविक उद्यान आदि जगहों पर जाकर अपनी प्रैक्टिकल की पढ़ाई पूरी करनी पड़ती है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार इन कॉलेजों में बॉटेनिकल गार्डेन की सुविधा उपलब्ध कराने हेतु कारगर कदम उठाना करना चाहती है, यदि हां तो कबतक ?

रात्रि प्रहरी की नियुक्ति

***** 150. **श्री केदार नाथ पाण्डेय** : क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि राज्य के राजकीय/राजकीयकृत एवं परियोजना विद्यालयों की आधारभूत संरचना काफी समृद्ध की गयी है;

(ख) क्या यह सही है कि विद्यालयों में कम्प्यूटर, जेनरेटर, विज्ञान की प्रयोगशाला से संबंधित सामग्री, पुस्तकालय में पुस्तकों की व्यवस्था की गयी है;

(ग) क्या यह सही है कि उक्त कोटि के विद्यालयों में कम्प्यूटर, जेनरेटर आदि की चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ रही है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार खंड 'क' के विद्यालयों के भवन के रख-रखाव एवं चोरी की घटनाओं को रोकने के लिए सभी विद्यालयों में रात्रि प्रहरी की नियुक्ति करना चाहती है, यदि हां तो कबतक ?

शिक्षिका का निष्कासन

***** 151. **श्री संजय कुमार सिंह** : क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि मानव संसाधन मंत्रालय, भारत सरकार स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के पत्रांक-एफ. नं.-14-4/17 ई.ई.-11 दिनांक- 07 नवम्बर, 2017 के माध्यम से प्रधान सचिव, शिक्षा विभाग, बिहार सरकार की श्रीमती रूपा सिन्हा, 89, गांधी नगर, कृष्णापुरी, पटना-13 का आवेदन प्राप्त हुआ है;

(ख) क्या यह सही है कि श्रीमती रूपा सिन्हा कैंसर रोग से पीड़ित हैं और उन्हें एलबर्ट हाई स्कूल, पटेल नगर, पटना के प्रबंधन द्वारा बिना किसी सूचना के सेवा से निकाल दिया गया है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार यह बतलाएगी कि खंड 'क' में वर्णित पत्र पर सरकार द्वारा क्यों कार्रवाई की गयी है ?

नारी शिक्षा का सुदृढ़ीकरण

***** 152. **श्री सुबोध कुमार** : क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि वैशाली जिले के कस्तूरबा आवासीय विद्यालय में खान-पान एवं स्वास्थ्य मामले में कुव्यवस्था व्याप्त है जिसके कारण कई बालिकाएं विद्यालय छोड़ने पर विवश हो गयी हैं;

(ख) क्या यह सही है कि विभाग द्वारा नियमित जांच नहीं होने के कारण सरकारी योजनाओं और सुविधाओं का लाभ विद्यालय में पढ़ने वाली बालिकाओं को नहीं मिल रहा है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार जिलों के कस्तूरबा आवासीय विद्यालयों में खान-पान एवं स्वास्थ्य संबंधी व्यवस्था में सुधार करते हुए विद्यालय से पलायन करने वाली छात्राओं को रोकते हुए नारी शिक्षा को सुदृढ़ करना चाहती है ?

मध्यमा की परीक्षा

***** 153. **श्री संजीव श्याम सिंह** : क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि राज्य के संस्कृत विद्यालयों का वर्ष 2017 के मध्यमा की परीक्षा फार्म भराकर आज तक नहीं ली गई है;

(ख) क्या यह सही है कि वर्ष 2018 की मध्यमा की परीक्षा का फार्म 20.02.2018 तक भरा जा रहा है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार वर्ष 2017 की मध्यमा की परीक्षा लेने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक ?

छात्रवृत्ति की राशि

***** 154. **डा. दिलीप कुमार जायसवाल** : क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि बिहार के 25 जिलों में अभी तक पोशाक एवं सेनेटरी नेपकिन छात्रवृत्ति की राशि बच्चों के बैंक खाते में ट्रांसफर नहीं हो पाई है;

(ख) क्या यह सही है कि पदाधिकारियों एवं बैंकों की लाल फीताशाही के कारण योजनाओं की राशि लाभुक छात्रों के खाते तक पहुंचने में कठिनाई हो रही है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार बताना चाहेगी कि अभी तक जिलावार कितने छात्रों के खाते में राशि ट्रांसफर हो चुकी है एवं बचे हुए छात्रों के खाते में राशि कबतक ट्रांसफर हो जाएगी ?

मूलभूत सुविधाएं

***** 155. **श्री कृष्ण कुमार सिंह** : क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि बिहार में कभी शिक्षा का हब रहा पटना अब बिहारी छात्रों को बिहार के बाहर जाने से नहीं रोक पा रहा है;

(ख) क्या यह सही है कि यूजीसी के 2016-17 के वार्षिक सर्वेक्षण में यह बात सामने आई है कि बिहार की स्थिति उच्च शिक्षा में अब बद से बदतर होती जा रही है;

(ग) क्या यह सही है कि सर्वे के अनुसार पटना विश्वविद्यालय सहित प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों में शिक्षा की मूलभूत सुविधाओं का अभाव है, उच्च शिक्षा के तय मानक का पालन विश्वविद्यालयों में नहीं हो पा रहा है;

(घ) क्या यह सही है कि उक्त कारणों से उच्च शिक्षा के लिए छात्रों की पहली पसंद राजधानी के विश्वविद्यालय नहीं बल्कि अन्य प्रदेशों के विश्वविद्यालय बन गए हैं;

(ङ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार राज्य के सभी विश्वविद्यालयों में शिक्षा की मूलभूत सुविधाओं को अनिवार्य करने के लिए उचित कदम उठाना चाहती है, यदि हां तो कबतक ?

विद्यालय का उत्क्रमण

*****156. **श्री राधाचरण साह** : क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि भोजपुर जिला के प्रखंड में प्रा.वि. विक्रमपुर (II) प्रा.वि. बारा (III) प्रा. वि., मनियारा है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त तीनों प्रा.वि. में पढ़ने वाले छात्रों की संख्या काफी अधिक है, पंचायत समिति की बैठक में तीनों प्रा.वि. को मध्य विद्यालय में उत्क्रमित करने की स्वीकृति भी दी गई है;

(ग) क्या यह सही है कि जिला कार्यक्रम पदाधिकारी प्रारंभिक शिक्षा एवं सर्व शिक्षा अभियान, भोजपुर ने भी प्रा.वि. को उत्क्रमित करने के लिए राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी (पहुंच एवं विशेष प्रशिक्षणों), बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्, पटना को पत्रांक-630, दिनांक-7.7.2017 को भेजा है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार कबतक प्रा.वि. विक्रमपुर, प्रा.वि., बारा और प्रा.वि., मनिआरा को म.वि. में उत्क्रमित कराना चाहती है ?

अनुदान का ब्यौरा

***** 157. **श्री नीरज कुमार** : क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि राज्य के अंदर अथवा बाहर अवस्थित सैनिक विद्यालयों में राज्य की छात्राओं को शैक्षणिक सहायता के लिए अनुदान देने का प्रावधान है;

(ख) यदि उपर्युक्त खंड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या 2014-15, 2015-16, 2016-17 में सैनिक विद्यालयों में अध्ययनरत छात्रों को अनुदान के विस्तृत ब्यौरा से अवगत कराना चाहती है, यदि हां तो कबतक ?

शिक्षक नियुक्ति

***** 158. **श्री राजेश राम** : क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि पश्चिमी चम्पारण जिले के प्रखंड बगहा-2 अन्तर्गत +2 प्रोजेक्ट सहकारी बालिका विद्यालय, पटखौली +2 राजकीयकृत उच्च विद्यालय, नरईपुर एवं प्रखंड बगहा-1 के अन्तर्गत +2 डी.एम. एकेडमी उच्च विद्यालय, बगहा में आर्ट्स/विज्ञान संकाय के छात्र-छात्राएं नामांकित हैं;

(ख) क्या यह सही है कि उपर्युक्त वर्णित +2 विद्यालयों में वाणिज्य (कॉमर्स) संकाय की पढ़ाई नहीं होने से छात्र-छात्राओं का नामांकन नहीं हो पा रहा है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार छात्र-छात्राओं के हित में खंड 'क' में वर्णित +2 विद्यालयों में वाणिज्य (कॉमर्स) संकाय विषय के शिक्षक नियुक्त करना चाहती है, यदि हां तो कबतक ?

महिला सशक्तीकरण

*159. **श्रीमती रीना देवी** : क्या मंत्री, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि महिला के सशक्तीकरण एवं उत्थान के लिए सरकार कटिबद्ध है;

(ख) क्या यह सही है कि नालंदा जिला में महिलाओं के खेल यथा कुश्ती, कबड्डी आदि के लिए जगह, ट्रेनर एवं अन्य सुविधाओं का घोर अभाव होने के कारण महिलाओं में कुण्ठा की भावना है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार नालंदा जिला में महिलाओं के खेल हेतु जगह, ट्रेनर एवं अन्य सुविधाओं की व्यवस्था करने का विचार कबतक रखती है ?

प्रधानाध्यापक की नियुक्ति

*160. **श्री सच्चिदानंद राय** : क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि सारण जिलान्तर्गत प्रखंड मसरख एवं पानापुर प्रखंड के सभी मध्य विद्यालय एवं उच्च विद्यालय में प्रभारी प्रधानाध्यापक द्वारा कार्यों का निष्पादन किया जा रहा है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त शिक्षकों को प्रधानाध्यापक का प्रभार देने के कारण विद्यालयों में भारी अनियमितता हो रही है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार कनीय शिक्षकों को वित्तीय प्रभार दिलाने वाले लापरवाह पदाधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

रिजल्ट में सुधार

*161. **मो. गुलाम रसूल** : क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि वैशाली जिला निवासी मो. आफताब, पिता-मो. अलाउद्दीन रौल नं.-10214, कोड-33071, पी. उज्ज्वल कुमार मिश्रा, उच्च विद्यालय, हाजीपुर वर्ष 2010 में आई.एस.सी. की परीक्षा में सम्मिलित हुए थे जिसमें भौतिकी विषय के सैद्धान्तिक पेपर में उन्हें मात्र 09 अंक दिया गया था जिसके विरुद्ध स्क्रूटनी के लिए उन्होंने आवेदन दिया था;

(ख) क्या यह सही है कि भौतिकी विषय के स्क्रूटनी के लिए आवेदन देने एवं सूचना के अधिकार के अन्तर्गत कॉपी की छायाप्रति मांगने के बावजूद न तो उनके रिजल्ट में सुधार किया गया और न ही कॉपी की छायाप्रति उपलब्ध कराई गई, जिसके कारण उनका पश्चिम बंगाल में JENPUH 2016 एवं JENPUH 2017 की मेरिट में आने के बावजूद नामांकन नहीं पा रहा है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उनके भौतिकी विषय में दिए गए गलत अंकों को सुधार कर रिजल्ट दिलवाना चाहती है, ताकि उनका भविष्य बर्बाद न हो, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

परीक्षा का आयोजन

*162. **श्री सी.पी. सिन्हा** : क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि बिहार कर्मचारी चयन आयोग की इंटर स्तरीय परीक्षा रूकी हुई है, आयोग के पास अभ्यर्थियों से संबंधित डाटा नहीं है;

(ख) क्या यह सही है कि इंटर स्तरीय परीक्षा पेपर लीक मामले के बाद लैपटॉप को एस.आई.टी. द्वारा जब्त किया गया, जिससे 18 लाख अभ्यर्थियों की परीक्षा बाधित है;

(ग) क्या यह सही है कि आयोग की ओर से इंटर स्तरीय परीक्षा के लिए तीन वर्ष पूर्व विज्ञापन निकाला गया था;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार बिहार में बेरोजगारों को रोजगार देने के लिए इंटर स्तरीय परीक्षा का आयोजन शीघ्र प्रारंभ कराना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

शिक्षक नियोजन

*163. **डा. रामवचन राय** : क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि अक्षर-आंचल योजना के तहत तालीमी मरकज और टोला सेवक के शिक्षकों का नियोजन किया गया है;

(ख) क्या यह सही है कि तालीमी मरकज में पिछड़े वर्ग के अल्पसंख्यकों का और टोला सेवकों में महादलित समाज के लोगों का नियोजन होना है;

(ग) क्या यह सही है कि निर्धारित मानकों के विपरित बड़ी संख्या में ऐसे लोगों का नियोजन हुआ है जो उक्त वर्ग-सीमा में नहीं आते;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार इसकी जांच कराकर उचित कार्रवाई करेगी ?

भवन का निर्माण

* 164. **श्री सुनील कुमार सिंह** : क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि दरभंगा जिला के बिरौल प्रखंड की बिरौल पंचायत के उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय घोघसर का पदाधिकारियों द्वारा गलत रिपोर्ट भेजने के कारण हनुमान नगर मध्य विद्यालय में सम्विलियन कर दिया गया है;

(ख) क्या यह सही है कि सरकार का निर्देश था कि जिस विद्यालय को भूमि उपलब्ध नहीं है उस विद्यालय का सम्विलियन किया जाए जबकि घोघसर उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय की अपनी भूमि उपलब्ध है;

(ग) क्या यह सही है कि उक्त विद्यालय को भूमि अंचल कार्यालय द्वारा दो-दो बार उपलब्ध करायी गयी जिसका पत्रांक-301, दिनांक-8.4.2010 है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार रिपोर्ट की जांच करावाकर एवं संबंधित पदाधिकारियों पर आवश्यक कार्रवाई करवा कर उक्त विद्यालय भवन को बनवाने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

कठोर कार्रवाई

***** 165. **श्री वीरेन्द्र नारायण यादव** : क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि महाविद्यालय में शासी निकायों को विघटित कर तदर्थ समिति बनाकर नियुक्ति के बावजूद सैकड़ों अनियमित नियुक्तियां की गई हैं तथा उक्त फर्जी नियुक्ति को नियमित करने का प्रयास किया जा रहा है;

(ख) क्या यह सही है कि जानकी संस्कृत उप शास्त्री महाविद्यालय, नरकटियागंज में चार फर्जी शिक्षकों एवं हरिहर संस्कृत महाविद्यालय बकुलहर मठ से दो शिक्षकों को नियमित करने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा दबाव दिया जा रहा है और जो प्राचार्य दबाव में नहीं आते हैं, उनपर झूठा आरोप लगा कर महाविद्यालयों से स्थानांतरण करके हटा देते हैं और अपने चहेते को उक्त पद पर बैठा कर अनियमित फर्जी सैकड़ों शिक्षिकों को नियमित करने का प्रयास आज भी जारी है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार कामेश्वर सिंह संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा के संलिप्त पदाधिकारी एवं कर्मचारी सहित फर्जी शिक्षकों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक ?

प्रतिवेदन का प्रकाशन

***** 166. **श्री दिलीप राय** : क्या मंत्री, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि कला, संस्कृति एवं युवा विभाग में पिछले पांच वर्षों में अनेक शैक्षणिक सेमिनार एवं वर्कशॉप आयोजित किए गए हैं परन्तु किसी का भी प्रतिवेदन प्रकाशित नहीं किया गया है;

(ख) क्या यह सही है कि सेमिनार के नाम पर लाखों रुपए खर्च दिखाए गए हैं परन्तु बिहार के छात्रों एवं बुद्धिजीवियों को इन सेमिनारों के फलाफल का कोई लाभ नहीं मिला है और उनका आरोप है कि सेमिनार के नाम पर विभाग में पैसों की बर्बादी हो रही है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार पिछले कुछ वर्षों में सेमिनार पर हुए खर्च का पूर्ण ब्योरा प्रस्तुत करेगी और सेमिनार में पढ़े गए शोध पत्रों को प्रकाशित करेगी?

इंटर कृषि की पढ़ाई

***** 167. **श्री रजनीश कुमार** : क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि कृषि विषय की ओर छात्रों का रूझान बढ़ाने के लिए राज्य के सभी जिलों में एक-एक विद्यालय में 2018 सत्र से इंटर स्तर तक कृषि की पढ़ाई प्रारंभ की जानी है;

(ख) क्या यह सही है कि फिलहाल राज्य के 11 जिलों में इंटर कृषि की पढ़ाई शुरू हो चुकी है;

(ग) क्या यह सही है कि इंटर कृषि के लिए अभी तक न तो सही ढंग का पाठ्यक्रम तैयार किया जा सका है, न ही किताबें उपलब्ध हैं;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार 2018 में सत्र प्रारंभ होने से पूर्व सही पाठ्यक्रम और किताबों की व्यवस्था सुनिश्चित कर सभी जिलों में इंटर कृषि की पढ़ाई सुचारु ढंग से करना चाहती है ?

रिजल्ट में संशोधन

***** 168. **डा. दिलीप कुमार चौधरी** : क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि बिहार प्रशिक्षित शिक्षक पात्रता परीक्षा 2017 का जो रिजल्ट पूर्व में प्रकाशित किया गया था, उसमें कई प्रकार की विसंगतियां हैं;

(ख) क्या यह सही है कि विसंगति में बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा गलत प्रश्नों के बदले अभ्यर्थियों को अंक नहीं दिया गया है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार खंड 'क' में वर्णित रिजल्ट का संशोधित करना चाहती है, ताकि इसकी विसंगति को दूर किया जा सके, यदि नहीं तो क्यों ?

उच्च विद्यालय में उत्क्रमण

***** 169. **श्री मनोज यादव** : क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(क) क्या यह सही है कि भागलपुर जिलान्तर्गत सन्हौला प्रखंड के ग्राम पंचायत बोड़ा पाठकडीह में भवानीपुर मध्य विद्यालय अवस्थित है;

(ख) क्या यह सही है कि खंड 'क' में वर्णित विद्यालय की सभी दिशाओं में स्थित सभी उच्च विद्यालयों की दूरी 8-10 किलोमीटर है;

(ग) क्या यह सही है कि उक्त विद्यालय में लगभग 450 अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को पढ़ने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त विद्यालय का स्थल निरीक्षण कर उक्त उत्क्रमित मध्य विद्यालय को उच्च विद्यालय में उत्क्रमित करना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

पटना
दिनांक 09 मार्च, 2018 ई.

सुनील कुमार पंवार
सचिव
बिहार विधान परिषद्